Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 18, Issue No. 1, January-2021, ISSN 2230-7540

"निवार्णवन फाउण्डेशन" द्वारा समाज से वंचित बालकों को शिक्षा प्रदान करने में आने वाली "आर्थिक, शैक्षिक एवं सामाजिक समस्याओं के निष्कर्ष का अध्ययन करना"

Shalu Soni[1]* Dr. Savita Gupta[2]

[1] PhD Scholar, Lords University, Alwar, Rajasthan

[2] Research Supervisor, Lords University, Alwar, Rajasthan

सार – *बच्चे किसी भी राष्ट्र की सम्पत्ति है वह सुयोग्य नागरिक बनने के लिए प्राकृतिक विकास व वृद्धि के लिए उचित वातावरण की मांग करते है। किसी भी देश का भविष्य उस देश के बच्चों के अधिकारों पर निर्भर है। वर्तमान में शिक्षा की गिनती रोटी, कपड़ा और मकान की तरह बुनियादी आवश्यकताओं में की जा रही है। शिक्षा व्यक्ति को अपना भला-बुरा समझने की क्षमता देती है इसी क्षमता का विकास आज देश में अनेक स्वयं सेवी संस्थाए / NGO's कर रहे है जिसमें अलवर जिले में संचालित निर्वाणवन फाउण्डेशन भी इसी दिशा में अग्रसर है। परन्तु निर्वाणवन फाउण्डेशन के प्रमुख उद्देश्य – "निर्वाणवन फाउण्डेशन द्वारा समाज से वंचित बालकों को शिक्षा प्रदान करने में आने वाली आर्थिक, शैक्षिक एवं सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करना है। जिसके निष्कर्ष पूर्ति में आर्थिक रूप से संस्था का प्रति वर्ष खं 6,220,000 जो संस्था के प्राप्त अनुदान से (25 लाख) से काफी कम है। शैक्षिक रूप से संस्था द्वारा संचालित विद्यालय मुख्यतः प्राथमिक स्तर तक है। जिससे बालकों के शिक्षित क्रम में बाधा होती है एवं शिक्षण समाग्री, आवागमन खर्च, शिक्षकों का वेतन, शिक्षकों की योग्यता, कक्षा - कक्ष अभाव जो समस्यात्मक रूप है। इसी प्रकार सामाजिक रूप से स्थानीय व सामाजिक लोगो का सहयोग न मिलना, सामाजिक रूप से अनुदान न मिलना पिछड़े इलाकों के बालको को हेय दृष्टि से देखना आदि संस्था के समक्ष समस्याएँ है।*

----------X----------

प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी व्यक्ति एवं समाज के समग्र विकास तथा सशक्तिकरण के लिए आधारभूत मौलिक आधार है। युनेस्को की शिक्षा के लिए रिपोर्ट "वैश्विक मॉनिटरिंग रिपोर्ट – 2010" के अनुसार लगभग 135 देशो ने अपने संविधान में शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। भारत ने 1950 में 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के लिए संविधान में प्रतिबद्धता का प्रावधान, अनुच्छेद 45 में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्तों में किया। 12 दिसम्बर, 2002 को 86 वें संविधान संशोधन के पश्चात् अनुच्छैद (21ए) में "शिक्षा के अधिकार" को मौलिक अधिकार बना दिया गया। 4 अगस्त, 2009 को 6-14 वर्ष के बालकों को "निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा अधिनियम" पारित किया गया। 1 अप्रैल, 2010 को यह अधिनियम पूर्ण रूप से कानूनी बाध्यता के साथ अनिवार्य कर दिया गया है। परन्तु समाज में आज भी अनेक ऐसे वर्ग है जो शिक्षा से ही नही, बल्कि समाज से भी वंचित है। ऐसे लोगों को दया, घृणा, आकर्षण और उत्पीड़न की मिश्रित भावना से देखा जाता है। ऐसे बच्चो को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एक मात्र साधन शिक्षा है। ये बच्चे समाज की हेय दृष्टि को झेलते हुऐ समाज में अपराधी के रूप में राष्ट्र के लिए एक बड़ा खतरा बनते जा रहे है। इन बालकों को समाज में एक उचित अवसर व स्थान प्रदान करना, एक समस्या के रूप में सामने आया है। इस समस्या का समाधान सम्पूर्ण समाज के सहयोग से ही हो सकता है। इसमें अनेक संस्थाएँ सार्थक योगदान दे रही

www.ignited.in

है। इसी दिशा में एक मुख्य योगदान निर्वाणवन फाउण्डेशन द्वारा किया जा रहा है।

निर्वाणवन फाउण्डेशन वह संस्था है जो सभी बच्चो को शिक्षा, भेदभाव रहित समाज और समानता की कल्पना को साकार करने के लिए प्रयासरत है। यह फाउण्डेशन 'नट व कंजर' समुदाय के बच्चो में शिक्षा की अलख जगाकर उनके जीवन में उजाला लाने तथा उन्हे शिक्षा प्रदान कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। यह संस्था गत '20' वर्षो से लगातार '11' विद्यालयो के द्वारा इन बालकों के विकास के लिए कार्य कर रही है। यह संस्था गत '20' वर्षो से लगातार "11" विद्यालयो के द्वारा इन बालकों के विकास के लिए कार्य कर रही है। परन्तु किसी कार्य को सम्पन्न करने में समस्याएँ अवश्य आती है। इसी प्रकार निर्वाणवन फाउण्डेशन के समझ भी कई प्रकार की समस्याएँ आई है। संस्था द्वारा कैसे इन समस्याओं का निवारण कर अपने उद्देश्य को पूर्ण किया जाता है। इस प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने के लिए शोधकर्त्री ने 'निर्वाणवन फाउण्डेशन द्वारा समाज से वंचित बालकों को शिक्षा प्रदान करने में आने वाली समस्याओं' को जानने के लिए अपने शोध का विषय बनाया है। जिसका अध्ययन वर्तमान में परिप्रेक्ष्य में औचित्यपूर्ण है।

उद्देश्य विश्लेषण

शोध अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किए गये है।

(1) निर्वाणवन फाउण्डेशन द्वारा समाज से वंचित बालकों को शिक्षा प्रदान करने में आने वाली आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करना।

(2) निर्वाणवन फाण्डेशन द्वारा समाज से वंचित बालकों को शिक्षा प्रदान करने में आने वाली शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन करना।

(3) निर्वाणवन फाउण्डेशन द्वारा समाज से वंचित बालकों को शिक्षा प्रदान करने में आने वाली सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करना।

उद्देश्य निष्कर्ष

(अ) आर्थिक समस्या निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में निर्वाणवन फाउण्डेशन की पाँच शाखाओं पर एकल अध्ययन पद्धति के तहत् "सम्पूर्ण उद्देश्य" प्रश्नो को प्रस्तारित कर निष्कर्ष प्राप्त किया गया है।

(1) अदैत गार्डन हाजीपुर, डडीकर अलवर शाखा - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में सबसे ज्यादा आर्थिक समस्याएँ हमारे समझ आ रही है। जिसमें कुछ समस्याएँ निम्न है:-

आवागमन खर्च की समस्या, दोपहर भोज की समस्या, शिक्षण सहायक सामग्री की समस्या, विद्यालय भवन की समस्या आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं का निवारण करने के लिए "जिला न्यायालय" में 2015 में अपील की है जिसका निर्णय अभी बाकि है।

(2) शाखा गाजुकी, अलवर - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में आर्थिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है जिसमें कुछ निम्न समस्याएँ है- शिक्षकों का वेतन, विद्यालय भवन का अभाव आदि।

इस शाखा ने इस समस्या को दूर करने के लिए "ग्राम सरपंच" के पास अपील दी है जिसका निर्णय अभी बाकि है।

(3) शाखा पैतपुर सीलीसेड़ अलवर - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में आर्थिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है जिसमे से कुछ समस्याएँ निम्न है - विद्यालय जंगली क्षेत्र में विद्यमान है, अध्यापक गुणवत्ता की समस्या आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए उमरैण चौराहे पर एक बच्चे सरकारी भवन के लिए अपील की है एवं अध्यापकों का चयन शहरी क्षेत्र से प्रारम्भ किया है।

(4) शाखा कलसाड़ा, राजगढ़ अलवर - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में आर्थिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है। जिसमें से कुछ समस्याएँ निम्न है - शिक्षण सहायक सामग्री की समस, कक्षा - कक्ष अभाव समस्या आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए शहर के कई भामाशाहों से संस्था की सहायता के लिए अपील की है

जिसके तहत् कुछ आंशिक अनुदान संस्था को प्राप्त हो रहा है।

(5) **शाखा धोबी गट्टा, कच्ची बस्ती, अलवर -** प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में आर्थिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है जो कुछ निम्न है - दोपहर भोज की समस्या, विद्यालय संचालन एवं भवन की समस्या आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए बस्ती के पहाड़ी इलाके पर कच्ची स्कूल का निमार्ण किया है एवं कई भामाशाहों द्वारा सहायता भी प्रदान की जा रही है।

शैक्षिक समस्या निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध के आधार पर संस्था की प्रत्येक शाखा में शैक्षिक स्तर की समस्या अलग-अलग प्रकार की है जो वर्णित है।

(1) **अदैत गार्डन हाजीपुर डडीकर, अलवर -** प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस "शाखा का संचालन करने में शैक्षिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है। जिसमे से कुछ समस्याएँ निम्न है - नामांकन की समस्या, अध्यापकों की कमी, कक्षा-कक्ष पर्याप्त नही है आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए अध्यापकों को ग्राम में घर-घर भेजकर ग्राम वासियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया है संस्था शिक्षको की कमी की पूर्ति अन्य शाखा से कर रही है।

(2) **शाखा गाजुकी, अलवर –** प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में शैक्षिक समस्याएँ आ रही है जो निम्न है - विद्यालय में पानी, बिजली एवं शौचालय की कमी, शिक्षकों की योग्यता एवं गुणवत्ता में कमी आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए सफल प्रयास किये है। जिसके तहत् विद्यालय में पानी के लिए मटके एवं एक अनिर्माणित शौचालय का इंतजाम किया गया है।

(3) **शाखा सीलीसेढ़ पैतपुर ग्राम, अलवर –** प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला की इस शाखा का संचालन करने में शैक्षिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है जिनमें से कुछ निम्न है - शिक्षण सुविधाओं का अभाव, शिक्षण गुणवत्ता की समस्या आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए संस्था प्रधान के समक्ष अपनी समस्या रबी है जो निरन्तर आर्थिक परेशानियों के कारण विचाराधीन है।

(4) **शाखा कलसाड़ा राजगढ़, अलवर -** प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में शैक्षिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है जो निम्न वर्णित है जैसे नामांकन का अभाव, अधूरी शिक्षा की समस्या, सहायक सामग्री की समस्या आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए जागरूकता अभियान, विद्यालय में सांप्ताहिक गतिविधिया, खेल-कूद आदि उपचारात्मक निदान किए है।

(5) **शाखा धोबीगट्टा, कच्ची बस्ती, अलवर -** प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला की इस शाखा का संचालन करने में शैक्षिक समस्याएँ आ रही है जो निम्न हे। नामांकन की समस्या, अध्यापकों की कमी, शिक्षण योग्यता की कमी आदि।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए रात्रीकालिन विद्यालय संचालन प्रारम्भ किया है एवं अन्य प्रयास भी सुचारू है।

सामाजिक समस्या निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध के आधार में सामाजिक स्तर पर समस्या अलग - अलग प्रकार की है जो वर्णित है।

(1) संस्था की मुख्य शाखा अदैत गार्डन हाजीपुर डडीकर प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला की इस शाखा का संचालन करने में सामाजिक क्षेत्र की समस्याएँ शोधकर्त्री के समक्ष आ रही है जो निम्न प्रकार वर्णित है - डड़ीकरण क्षेत्र में सामाजिक लोगो की वंचित छात्रो के प्रति हेयता एवं प्रत्येक स्तर पर दिखावा बालको में असहयोग व हीन भावना का प्रत्यारोपण करते है जो कि एक समस्या है।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए वार्षिक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है जिसमें समाज

www.ignited.in

के व्यक्ति एवं बालक एक साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते है।

(2) **शाखा गाजुकी अलवर** - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला की इस शाखा का संचालन करने में सामाजिक क्षेत्र की समस्याएँ शोधकर्त्री के समक्ष आ रही है जो वर्णित है- इस क्षेत्र में नट व कंजर समुदाय के अलावा अन्य जाति मात्र 3 प्रतिशत है जिसके कारण समाज के लोग वहाँ नही जाते है व न ही किसी प्रकार का सहयोग करते है जो एक समस्या है।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए विद्यालय के समीप एक मन्दिर का निर्माण सरपंच द्वारा करवाया गया है जिससे समाज के लोग आस्थाबद्ध होकर वहाँ आ सके व संस्था को सहयोग प्रदान कर सकें।

(3) **शाखा सीलीसेढ़, पैतपुर, अलवर** - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में सामाजिक संस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है- पैतपुर ग्राम में स्थानीय व सामाजिक लोगों का सहयोग न मिल पाने के कारण बालको में शिक्षा के प्रति प्रेरणा समाप्त हो रही है जो शैक्षिक एवं सामाजिक दोनो क्षेत्रो में समस्या उत्पन्न करती है।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए विद्यालय में छोटे-छोटे प्रलोबन, खेल-कूद कार्यक्रम एवं आजिविका वहन के लिए हस्थ निर्मित कुछ सामानो का निर्माण करना बालकों को सिखाया है जिसके बालको के समक्ष एवं स्थान के समक्ष कम समस्याएँ उत्पन्न हो।

(4) **शाखा कलसाड़ा, राजगढ़ अलवर** - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला की इस शाखा का संचालन करने में सामाजिक समस्याएँ आ रही है। कलसाड़ा, राजगढ़, अलवर क्षेत्र में है जो कि एक "रिमोट एरिया" है जहाँ समाज का कोई भी सम्मानित व्यक्ति नही जाना चाहता है इस वक्तव्य को देखना ही समाज की दृष्टि से अभिमत होना है जो एक मुख्य सामाजिक समस्या है।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए बालको के साथ उनके अभिभावकों के लिए भी सांयकालिन शिक्षण का प्रारम्भ किया है एवं विद्यालय को मुख्य रिमोट एरिया से लगभग 6 कि.मी. दूर स्थापित किया गया है।

(5) **शाखा धोबी गट्टा कच्ची बस्ती, अलवर** - प्रस्तुत शोध के आधार पर इस शाखा में यह निष्कर्ष निकला कि इस शाखा का संचालन करने में सामाजिक समस्याएँ हमारे समक्ष आ रही है। अलवर क्षेत्र संस्था का एक मात्र ऐसा विद्यालय है जहाँ सभी जातियो के विधार्थी है परन्तु सभी कि पारिवारिक स्थिति भिन्न-भिन्न है। जिससे बालकों में समाज की मान्यताओं का असर होता है और वह भेदभाव पूर्ण वातावरण को स्थापित करते है जो बालरूप के लिए अपराधी व समाज के लिए सामाजिक समस्या है।

इस शाखा ने इन समस्याओं को दूर करने के लिए अथक प्रयास किए है परन्तु कोई सफल परिणाम अभी तक संस्था के समीप नही है जिसका कारण संस्था की आर्थिक कमजोरिया है।

सुझाव

प्रस्तुत शोध के निम्न सुझाव वर्णित है -

- शोधकर्त्री ने निर्वाणवन फाण्डेशन की '5' शाखाओं का अध्ययन किया है जबकि इसकी समस्त '12' शाखाओं का अध्ययन किया जा सकता है।
- निर्वाणवन फाण्डेशन में अध्ययनरत विद्यार्थियो एवं सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत विधार्थियो में तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- निर्वाणवन फाण्डेशन में अध्ययनरत विद्यार्थियो एवं प्रावेट विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियो में तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- निर्वाणवन फाण्डेशन में अध्ययनरत विद्यार्थियो की बुद्धि - उपलब्धि, सर्जनात्कता आदि का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जा सकता है।
- निर्वाणवन फाण्डेशन के कार्यो का किसी अन्य फाण्डेशन के कार्यो में तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- नट व कंजर समुदाय के लोगो की शैक्षिक, सामाजिक स्थिति का अध्ययन किया जा सकता है।

- अदैत गार्डन हाजीपुर डडीकर शाखा एवं शाखा पैतपुर सीलीसेढ के शैक्षिक स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
- शाखा धोबीगट्टा कच्ची बस्ती एवं शाखा कलसाड़ा राजगढ के कार्यो का तुलनात्म्क अध्ययन किया जा सकता है।
- निर्वाणवन फाण्डेशन के अलावा अन्य NGO's जो अलवर में कार्य कर रहे है उनका अध्ययन किया जा सकता है।
- निर्वाणवन फाण्डेशन के सम्पूर्ण राजस्थान में किये जा रहे प्रयासो का अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रन्थ:-

1. अग्रवाल, रश्मि, (1999) "स्ट्रीट चिल्ड्रन" शिप्रा पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
2. जैन, प्रतिभा एवं संगीता शर्मा, (1998) "भारतीय स्त्री" रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।
3. रूहेला, एस.पी., (2008) "विकासोन्मुख भारतीय समाज में शिक्षक और शिक्षा" अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
4. शर्मा, आर.ए., (2011) "शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया" आर.लाल बुक डिपो, मेरठ।
5. त्रिपाठी, मधुसुदन (2015) "बालिका शिक्षा भाग-2" विद्यावती प्रकाशन, नई दिल्ली।

Corresponding Author

Shalu Soni*

PhD Scholar, Lords University, Alwar, Rajasthan